SPECT
RESEARCH ASSOCIATION

दिल्ली विधानसभा चुनाव और मुसलमान!

दिल्ली की राजनीति

जब भी दिल्ली की राजनीति का ज़िक्र होता है तो अनिवार्य रूप से प्रदेश की लगभग 13 फीसदी मुस्लिम आबादी की बात जरूर होती है।

1993 में दिल्ली में विधानसभा की स्थापना के बाद से ही अमूमी तौर पर ये माना जाता है कि दिल्ली की 70 विधानसभा में से 5 विधानसभा सीटें ऐसी है जहां यकीनी तौर पर कोई मुस्लिम विधायक ही चुन कर आयेगा। इसके अलावा दो सीटें ऐसी भी जहां पर मुस्लिम मतदाता ही प्रत्याशी की हार जीत को तय करता है।

दिल्ली में मुस्लिम सीटों का समीकरण

मटिया महल (60% मुस्लिम मतदाता), सीलमपुर (57%), ओखला (53%), बल्लीमारान (50%) और मुस्तफाबाद (40%) ऐसी विधानसभा सीटें हैं जहां पर हमेशा मुस्लिम विधायक ही चुनाव जीतता रहा है। बस एक बार मुस्तफाबाद की सीट पर भाजपा के जगदीश प्रधान 2015 में मुस्लिम वोटों के बंटवारे की वजह से चुनाव जीते है।

इसके अलावा बाबरपुर सीट जहाँ 41% मुस्लिम मतदाता होने के बावजूद कभी कोई मुस्लिम प्रत्याशी चुनाव नहीं जीता है। वहीं 30% मुस्लिम वोटर वाली चांदनी चौक सीट पर भी मुस्लिम प्रत्याशी चुनाव में कामयाबी नहीं हासिल कर पाया है।

Assembly Name	Muslim Voters	District	MLA 2020	MLA 2015	MLA 2013	MLA 2008
Matia Mahal	60%	Central Delhi	Shoaib Iqbal - AAP	Asim Ahmed Khan - AAP	Shoaib Iqbal - JDU	Shoaib Iqbal - LJP
Seelampur	57%	North East Delhi	Abdul Rehman - AAP	Mohd Ishra-que - AAP	Chaudhary Mateen - INC	Chaudhary Mateen - INC
Okhla	53.00%	South East Delhi	Amanatullah Khan - AAP	Amanatullah Khan - AAP	Asif Mohd Khan - INC	Parvez Hash-mi - INC
Ballimaran	50%	Central Delhi	Imran Hussain - AAP	Imran Hussain - AAP	Haroon Yusuf - INC	Haroon Yusuf - INC
Babarpur	41.10%	Shahdara	Gopal Rai - AAP	Gopal Rai - AAP	Naresh Gaur - BJP	Naresh Gaur - BJP
Mustafabad	40%	North East Delhi	Haji Yunus - AAP	Jagdish Prad-han - BJP	Hasan Ahmed - INC	Hasan Ahmed - INC
Chandni Chowk	30%	Central Delhi	Parlad Sawh-ney - AAP	Alka Lamba - AAP	Parlad Sawh-ney - INC	Parlad Sawh-ney - INC

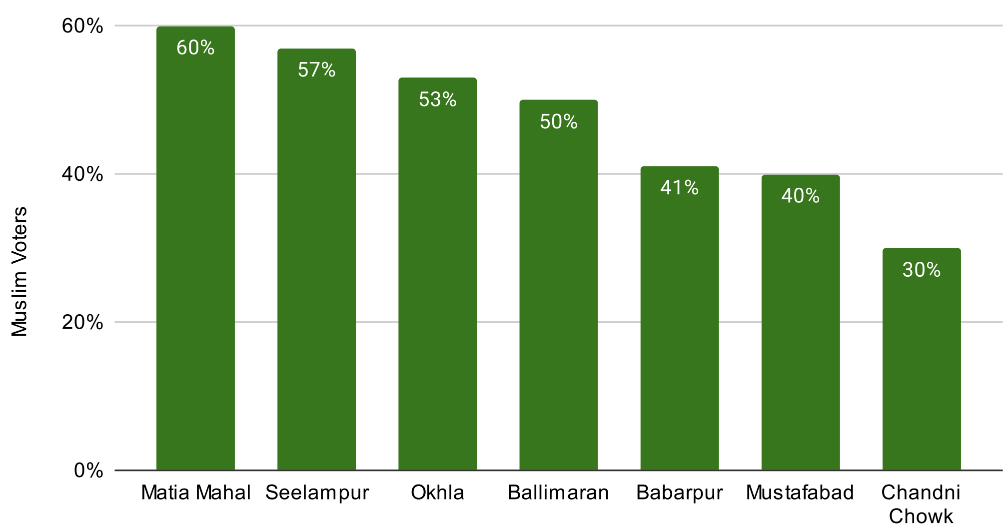

अक्सर लोग इन सात सीटों के बाद मुस्लिम केंद्रित सीटों की बात करना भूल जाते है मगर उन्हें याद रखना चाहिए कि इनके अलावा भी 4 सीटें ऐसी है जहां मुस्लिम मतदाता बेहद प्रभावशाली हैं।

गांधी नगर (25% मुस्लिम मतदाता), सीमापुरी SC (23.4%), संगम विहार (22.7%) और करावल नगर (19%) सीट पर मुस्लिम मतदाता प्रत्याशी की चुनावी जीत हार में अहम रोल अदा करते हैं।

Assembly Name	Muslim Voters	District	MLA 2020	MLA 2015	MLA 2013	MLA 2008
Gandhi Nagar	25%	East Delhi	Anil Bajpai - BJP	Anil Bajpai - AAP	Arvinder Lovely - INC	Arvinder Lovely - INC
Seemapuri - SC	23.40%	Shahdara	Rajendra Gautam - AAP	Rajendra Gautam - AAP	Dharmender Singh - AAP	Veer Singh - INC
Sangam Vihar	22.70%	South East Delhi	Dinesh Mohaniya - AAP	Dinesh Mohaniya - AAP	Dinesh Mohaniya - AAP	SCL Gupta - BJP
Karawal Nagar	19%	North East Delhi	Mohan Bisht - BJP	Kapil Mishra - AAP	Mohan Bisht - BJP	Mohan Bisht - BJP

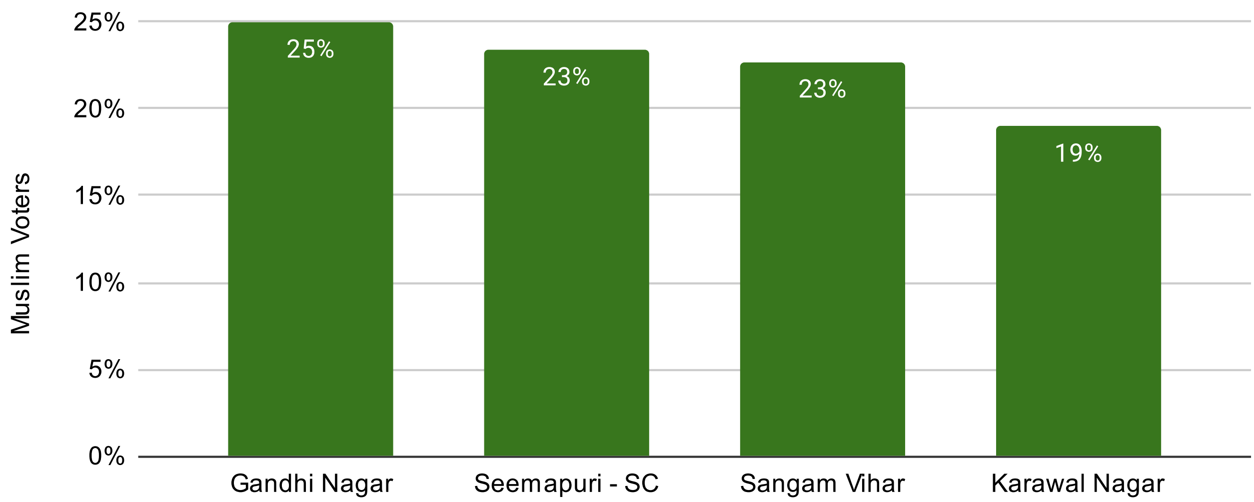

अगर आपको लगता है कि कहानी यहीं समाप्त हो गयी है तो आप गलत है। इन सीटों से अलग चार सीटें जंगपुरा (16.3%), सदर बाजार (16.2%), कृष्णा नगर (15%) और बादली (13%) में भी मुस्लिम मतदाता चुनावी राजनीति को प्रभावित कर सकते है।

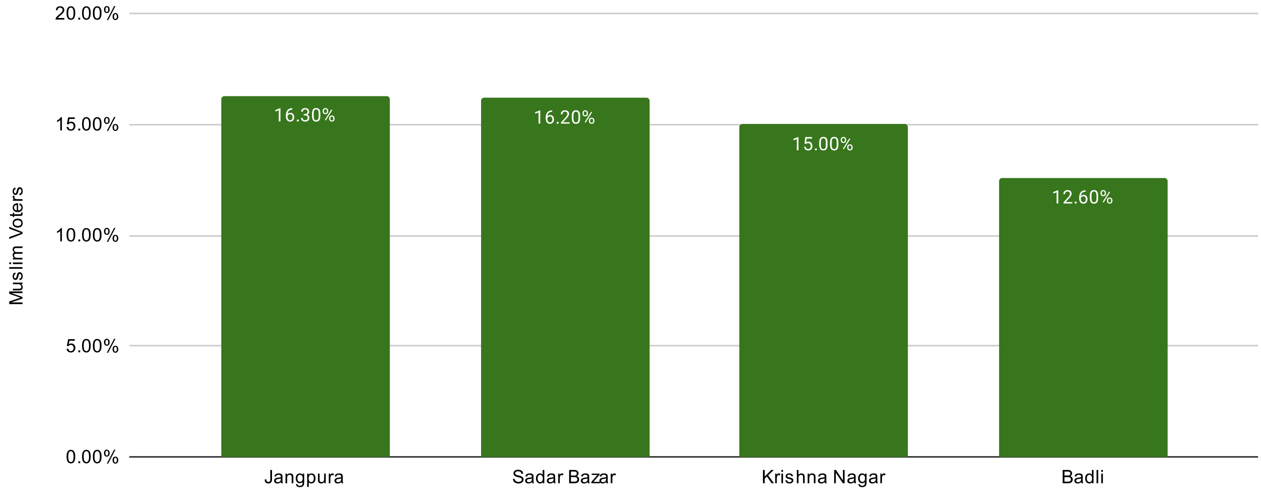

इसके आगे 12 सीटें ऐसी है जहां पर मुस्लिम मतदाता 10 से 12 फीसदी है जो किसी भी प्रत्याशी को चुनावी राजनीति में आकर्षित करने के लिए काफी है। मालवीय नगर, देवली - एससी, बदरपुर, तिरलोकपुरी - एससी, शाहदरा, तुगलकाबाद, सुल्तानपुर माजरा - एससी, कालकाजी, घोंडा, गोकलपुर - एससी, किरारी और लक्ष्मी नगर सीटें इस लिस्ट में शामिल हैं।

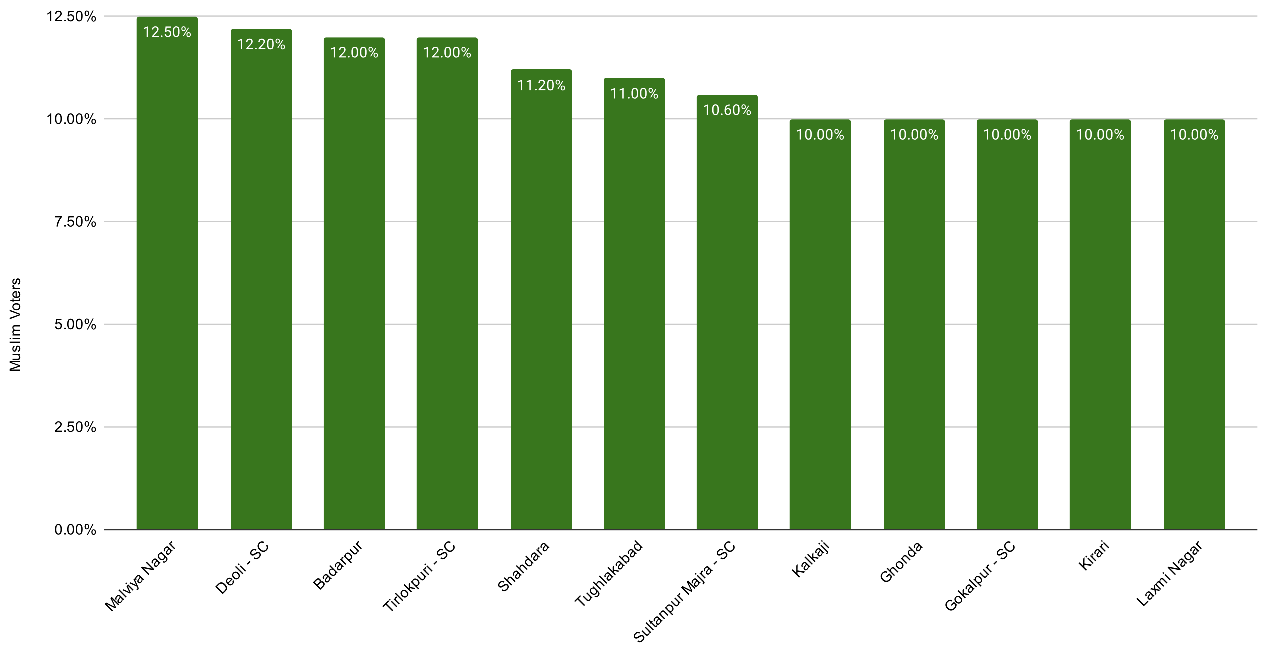

Assembly Name	Muslim Voters	District	MLA 2020	MLA 2015	MLA 2013	MLA 2008
Jangpura	16.30%	South East Delhi	Praveen Kumar - AAP	Praveen Kumar - AAP	Maninder Singh - AAP	Tarvinder Singh - INC
Sadar Bazar	16.20%	Central Delhi	Som Dutt - AAP	Som Dutt - AAP	Som Dutt - AAP	Rajesh Jain - INC
Krishna Nagar	15%	East Delhi	SK Bagga - AAP	SK Bagga - AAP	Dr. Harsh Vardhan - BJP	Dr. Harsh Vardhan - BJP
Badli	13%	North Delhi	Ajesh Yadav - AAP	Ajesh Yadav - AAP	Devender Yadav - INC	Devender Yadav - INC
Malviya Nagar	12.50%	South Delhi	Somnath Bharti - AAP	Somnath Bharti - AAP	Somnath Bharti - AAP	Kiran Walia - INC
Deoli - SC	12.20%	South Delhi	Prakash Jarwal - AAP	Prakash Jarwal - AAP	Prakash Jarwal - AAP	Arvinder Singh - INC
Badarpur	12%	South East Delhi	Ramvir Bidhuri - BJP	Narayan Sharma - AAP	Ramvir Bidhuri - BJP	Ram Singh - BSP
Tirlokpuri - SC	12%	East Delhi	Rohit Kumar - AAP	Raju Dhingan - AAP	Raju Dhingan - AAP	Sunil Kumar - BJP
Shahdara	11.20%	Shahdara	Ram Niwas Goel - AAP	Ram Niwas Goel - AAP	Jitender Singh - BJP	Narender Nath - INC
Tughlakabad	11%	South East Delhi	Sahi Ram - AAP	Sahi Ram - AAP	Ramesh Bidhuri - BJP	Ramesh Bidhuri - BJP
Sultanpur Majra - SC	10.60%	North West Delhi	Mukesh Ahlawat - AAP	Sandeep Kumar - AAP	Jai Kishan - INC	Jai Kishan - INC
Kalkaji	10%	South East Delhi	Atishi - AAP	Avtar Singh - AAP	Harmeet Singh - BJP	Subhash Chopra - INC
Ghonda	10%	North East Delhi	Ajay Mahawar - BJP	Shri Dutt Sharma - AAP	Sahab Chauhan - BJP	Sahab Chauhan - BJP
Gokalpur - SC	10.00%	North East Delhi	Surendra Kumar - AAP	Fateh Singh - AAP	Ranjeet Singh - BJP	Surendra Kumar - BSP
Kirari	10%	North West Delhi	Rituraj Govind - AAP	Rituraj Govind - AAP	Anil Jha - BJP	Anil Jha - BJP
Laxmi Nagar	10%	East Delhi	Abhay Verma - BJP	Nitin Tyagi - AAP	Vinod Kumar - AAP	Dr. Ashok Walia - INC

इन सीटों के अलावा 25 विधानसभा सीटें ऐसी भी है जहां पर मुस्लिम मतदाता 5 से 9 फीसदी की ठीकठाक स्थिति रखता है। तिमारपुर, पटपड़गंज, रोहतास नगर, आदर्श नगर, अंबेडकरनगर, बवाना - एससी, छतरपुर, कोंडली - एससी, विकासपुरी, मुदका, राजौरी गार्डन, मोती नगर, नागलोई जाट, वजीरपुर, महरौली, नरेला, द्वारका, पटेल नगर, त्रिनगर, जनकपुरी, ग्रेटर कैलाश, मादीपुर - एससी, विश्वास नगर, कस्तूरबा नगर और मटियाला सीटों को इस लिस्ट में गिना जा सकता है।

Assembly Name	Muslim Voters
Timarpur	9%
Patparganj	8.50%
Rohtas Nagar	8.30%
Adarsh Nagar	8.20%
Ambedkarnagar	8%
Bawana - SC	7.80%
Chhatarpur	7.80%
Kondli - SC	7.80%
Vikaspuri	7.70%
Mudka	7.20%
Rajouri Garden	7.20%
Moti Nagar	7.10%
Nagloi Jat	7%
Wazirpur	7%
Mehrauli	6.90%
Narela	6.70%
Dwarka	6.50%
Patel Nagar	6.30%
Trinagar	6.20%
Janakpuri	6.10%
Greater Kailash	5.70%
Madipur - SC	5.70%
Vishwas Nagar	5.60%
Kasturba Nagar	5.20%
Matiala	5.10%

कुल मिला कर बात ये है कि दिल्ली की विधानसभा में मुस्लिम मतदाता केवल 7 सीटों पर ही प्रभावशाली नहीं है बल्कि वो 14 सीटों के चुनाव को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।

राजनीतिक चक्रव्यूह में पिस्ता दिल्ली का मुसलमान

यहां पर एक अहम सवाल उठता है कि समाज में राजनीतिक तौर पर हाशिये पर धकेला जा चुका मुसलमान दिल्ली में भी 2 विधानसभा सीटों को सेकुलर राजनीति के चक्कर में कुर्बान कर चुका है। जहां बाबरपुर जैसी मुस्लिम केंद्रित सीट पर आप के मंत्री गोपाल राय का कब्ज़ा है वहीं चांदनी चौक सीट पर कभी AAP तो कभी कांग्रेस का कब्ज़ा रहता है और मुसलमान ठहर कर केवल तमाशा देखता है।

इसके अलावा गांधी नगर और संगम विहार की सीट भी नैतिक तौर पर सेकुलर राजनीति में मुसलमानों के हिस्से में आनी चाहिए। वहीं सीमापुरी जैसी मुस्लिम केंद्रित सीट परिसीमन की वजह से मुस्लिम राजनीति से विहीन ही रहेगी।

चांदनी चौक विधानसभा सीट में 30% मुस्लिम मतदाता होने के बावजूद अभी तक कभी मुस्लिम विधायक नहीं चुना गया है

मौजूदा विधायक

प्रह्लाद साहनी - कांग्रेस

बाबरपुर विधानसभा सीट में 41% मुस्लिम मतदाता होने के बावजूद अभी तक कभी मुस्लिम विधायक नहीं चुना गया है

मौजूदा विधायक

गोपाल राय - आप

अभी तक चुने गए मुस्लिम विधायक

अगर मैं 1993 से अभी तक चुने गए मुस्लिम विधायकों की बात करूँ तो 12 प्रत्याशी अभी तक 5 मुस्लिम केंद्रित सीटों से चुनाव जीते हैं।

Sr.	MLA Name	Assembly	Year
1	Amanatullah Khan	Okhla	2015, 2020
2	Asif Mohd Khan	Okhla	2008 (Bye Election), 2013
3	Parvez Hashmi	Okhla	1993, 1998, 2003, 2008
4	Mateen Ahmed	Seelampur	1993, 1998, 2003, 2008, 2013
5	Mohd Ishraque	Seelampur	2015
6	Abdul Rehman	Seelampur	2020
7	Shoaib Iqbal	Matia Mahal	1993,1998, 2003, 2008, 2013, 2020
8	Asim Ahmed Khan	Matia Mahal	2015
9	Haroon Yusuf	Ballimaran	1993, 1998, 2003, 2008, 2013
10	Imran Hussain	Ballimaran	2015, 2020
11	Hasan Ahmed	Mustafabad	2008, 2013
12	Haji Yunus	Mustafabad	2020

मटिया महल विधानसभा:

दिल्ली में सबसे ज्यादा मुस्लिम मतदाता वाली सीट मटिया महल है। यहां से 6 बार शोएब इक़बाल चुनाव जीते है। उसमें भी खास बात ये है कि हर बार वो एक नयी पार्टी से चुनाव जीत कर विधानसभा में पहुंचे थे। सिर्फ एक बार 2015 में AAP के आसिम अहमद से चुनाव हारे है वो भी एक बार फिर पार्टी बदलते हुए कांग्रेस की तरफ से चुनाव लड़े थे।

2020 के विधानसभा चुनाव में शोएब इक़बाल ने AAP के सिंबल पर एक तरफ़ा जीत हासिल की थी। उन्होंने 67,282 वोट हासिल करते हुए भाजपा प्रत्याशी को 50,241 वोटों के मार्जिन से चुनाव हराया था। आखिरी विधानसभा चुनाव में इस सीट पर 70.43% मतदान हुआ था जो दिल्ली के औसत से काफी ज्यादा था।

Matia Mahal Assembly constituency

MLA 2020
Shoaib Iqbal
Party - AAP
Vote - 67,282
Margin - 50,241
Turnout% - 70.43

MLA 2015
Asim Ahmed Khan - AAP
MLA 2013
Shoaib Iqbal - JDU
MLA 2008
Shoaib Iqbal - LJP

सीलमपुर विधानसभा:

उत्तर पूर्वी दिल्ली की सीलमपुर विधानसभा भी एक मुस्लिम बहुल सीट है। 1993 से 2013 तक लगातार 5 बार चौधरी मतीन अहमद चुनाव जीत विधानसभा में पहुंचे हैं। 2015 में वो हाजी इशराक से चुनाव हार गए थे। वहीं 2020 के चुनाव में इस सीट से AAP के सिम्बल पर अब्दुर रहमान विधायक चुने गए थे।

2020 के विधानसभा चुनाव में अब्दुर रहमान ने 72,694 वोट हासिल करते हुए 37,075 वोटों की मार्जिन से भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी को चुनाव हराया था। इस सीट पर भी 2020 के चुनाव में दिल्ली के औसत से ज्यादा 71.42% मतदान हुआ था।

Seelampur Assembly constituency

MLA 2020
Abdul Rehman
Party - AAP
Vote - 72,694
Margin - 37,075
Turnout% - 71.42

MLA 2015
Mohd Ishraque - AAP
MLA 2013
Chaudhary Mateen - INC
MLA 2008
Chaudhary Mateen - INC

ओखला विधानसभा:

दक्षिण पूर्वी दिल्ली का हिस्सा और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लिए प्रसिद्ध ओखला विधानसभा भी एक मुस्लिम बहुल सीट है। इस सीट पर कांग्रेस के दिग्गज नेता परवेज़ हाश्मी 1993 से 2008 तक लगातार चुनाव जीतते रहे है। वहीं कांग्रेस के आसिफ मुहम्मद खान 2009 का उपचुनाव और 2013 का विधानसभा चुनाव जीत विधायक बने थे। इसके बाद 2015 और 2020 के चुनाव में इस सीट पर AAP के अमानतुल्लाह खान बंपर वोटों से चुनाव जीते हैं।

2020 के विधानसभा चुनाव में अमानतुल्लाह खान ने 130,367 वोट हासिल करते हुए 71,827 वोटों के बड़े मार्जिन से अपने भाजपाई प्रतिद्वंदी को हराया था। वहीं इस चुनाव में 58.97% मतदान दर्ज किया गया था।

Okhla Assembly constituency

MLA 2020
Amanatullah Khan
Party - AAP
Vote - 130,367
Margin - 71,827
Turnout% - 58.97

MLA 2015
Amanatullah Khan - AAP

MLA 2013
Asif Mohd Khan - INC

MLA 2008
Parvez Hashmi - INC

बल्लीमारान विधानसभा:

बल्लीमारान भी सेंट्रल दिल्ली की एक मुस्लिम बहुल विधानसभा सीट है। इस सीट से हारुन यूसुफ 1993 से 2013 तक लगातार 5 बार विधायक चुने जाते रहे हैं। वहीं 2015 और 2020 में इस सीट पर AAP के इमरान हुसैन विजेता रहे है। इस सीट की एक खास बात ये है कि यहां से जीता हुआ विधायक दिल्ली सरकार में मंत्री जरूर बनता है।

2020 के विधानसभा चुनाव में इमरान हुसैन ने 65,644 वोट हासिल करते हुए भाजपा प्रत्याशी को 36,172 वोटों के मार्जिन से चुनाव हराया था। वहीं इस चुनाव में इस सीट पर बाकि दिल्ली के औसत से कहीं ज्यादा 71.64% मतदान हुआ था।

Ballimaran Assembly constituency

MLA 2020
Imran Hussain
Party - AAP
Vote - 65,644
Margin - 36,172
Turnout% - 71.64

MLA 2015
Imran Hussain - AAP

MLA 2013
Haroon Yusuf - INC

MLA 2008
Haroon Yusuf - INC

मुस्तफाबाद विधानसभा:

नार्थ ईस्ट दिल्ली का हिस्सा मुस्तफाबाद सीट 2002 के परिसीमन के बाद 2008 में अस्तित्व में आयी थी। इस सीट से 2008 और 2013 में कांग्रेस के हसन अहमद चुनाव जीत विधायक बने थे। वहीं 2015 में मुस्लिम वोटों के बंटवारे की वजह से भाजपा के जगदीश प्रधान केवल 6,031 वोटों के मार्जिन से यहां से चुनाव जीत गए थे। इसके अलावा 2020 में यहां से हाजी यूनुस चुनाव जीत विधायक बने थे।

2020 के चुनाव में AAP के हाजी यूनुस 98,850 वोट हासिल करते हुए 20,704 वोटों के मार्जिन से विधायक चुने गए थे। इस सीट पर भी उत्तर पूर्वी दिल्ली की बाकि मुस्लिम सीटों की तरह 70.75% मतदान दर्ज किया गया था।

Mustafabad Assembly constituency

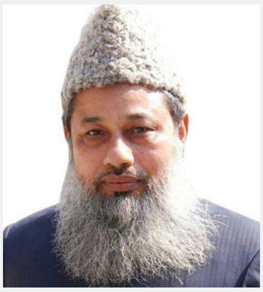

MLA 2020
Haji Yunus
Party - AAP
Vote - 98,850
Margin - 20,704
Turnout% - 70.75

MLA 2015
Jagdish Pradhan - BJP
MLA 2013
Hasan Ahmed - INC
MLA 2008
Hasan Ahmed - INC

बाबरपुर विधानसभा:

शाहदरा जिले के अंतर्गत आने वाली बाबरपुर विधानसभा यूँ तो मुस्लिम केंद्रित है मगर इसके बावजूद 1993 से अभी तक इस सीट पर कोई भी मुस्लिम विधायक नहीं चुनाव गया है। भाजपा के नरेश गौड़ 4 बार विधायक चुने गए है। वहीं एक बार कांग्रेस के विनय शर्मा भी विधायक चुने जा चुके हैं। 2015 और 2020 के चुनाव में AAP के कद्दावर नेता और मंत्री गोपाल राय यहां से चुनाव जीत रहे है।

2020 के चुनाव में गोपाल राय 84,776 वोट हासिल करते हुए 33,062 वोटों के मार्जिन से चुनाव जीते हैं। इस सीट पर उस चुनाव में 65.77% मतदान हुआ था।

Babarpur Assembly constituency

MLA 2020
Gopal Rai
Party - AAP
Vote - 84,776
Margin - 33,062
Turnout% - 65.77

MLA 2015
Gopal Rai - AAP
MLA 2013
Naresh Gaur - BJP
MLA 2008
Naresh Gaur - BJP

चांदनी चौक विधानसभा:

सेंट्रल दिल्ली का हिस्सा चांदनी चौक सीट भी मुस्लिम केंद्रित है मगर इसके बावजूद भी यहां से अभी तक कोई मुस्लिम विधायक नहीं चुना गया है। 1993 में इस सीट से भाजपा के वासुदेव कप्तान विधायक बने। वहीं 1998 से 2013 तक कांग्रेस के प्रह्लाद सिंह साहनी यहां से विधायक चुने जाते रहे। 2015 में AAP की तरफ से अलका लाम्बा चुनाव जीती थी। 2020 में दुबारा से यहां प्रह्लाद सिंह साहनी AAP के सिम्बल पर चुनाव जीत विधायक बने हैं।

2020 के विधानसभा चुनाव में प्रह्लाद सिंह साहनी 50,891 वोट हासिल करते हुए 29,584 मार्जिन के साथ भाजपा प्रत्याशी से चुनाव जीते थे। उस चुनाव में इस सीट पर 61.43% मतदान दर्ज किया गया था।

Chandni Chowk Assembly constituency

MLA 2020
Parlad Sawhney
Party - AAp
Vote - 50,891
Margin - 29,584
Turnout% - 61.43

MLA 2015
Alka Lamba - AAP
MLA 2013
Parlad Sawhney - INC
MLA 2008
Parlad Sawhney - INC

गांधी नगर विधानसभा:

पूर्वी दिल्ली का हिस्सा गांधी नगर सीट पर भी मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में है मगर इसके बावजूद प्रत्याशी बनने के लिए मुसलमानों को तरसना पड़ता है। 1993 के चुनाव में यहां से भाजपा के दर्शन कुमार विधायक बने थे। वहीं कांग्रेस के सिम्बल पर अरविंदर सिंह लवली 1998 से 2013 तक लगातार चार बार विधायक चुने गए है। 2015 में AAP और 2020 में भाजपा की तरफ से अनिल कुमार बाजपेयी इस सीट से चुनाव जीत विधायक बने हैं।

2020 के चुनाव में अनिल कुमार बाजपेयी ने केवल 6,079 वोटों के मार्जिन से AAP प्रत्याशी से चुनाव जीते थे। वही इस सीट पर उस चुनाव में 62.69% मतदान हुआ था।

Gandhi Nagar Assembly constituency

MLA 2020
Anil Kumar Bajpai
Party - BJP
Vote - 48,824
Margin - 6,079
Turnout% - 62.69

MLA 2015
Anil Bajpai - AAP
MLA 2013
Arvinder Lovely - INC
MLA 2008
Arvinder Lovely - INC

सीमापुरी (SC) विधानसभा:

मुस्लिम केंद्रित होने के बावजूद शाहदरा के तहत आने वाली सीमापुरी सीट को परिसीमन के तहत आरक्षित कर दिया गया है। इसलिए यहां से चाह कर भी कोई मुस्लिम प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ सकता है। 1993 में भाजपा के बलबीर सिंह और 1998 से 2008 तक तीन बार कांग्रेस के वीर सिंह धींगान इस सीट से विधायक चुने गए हैं। वहीं AAP के टिकट से 2013 में धर्मेंद्र सिंह और 2015 व् 2020 में राजेंद्र पाल गौतम इस सीट से विधायक बन चुके है।

2020 के चुनाव में राजेंद्र पाल गौतम ने 88,392 वोट हासिल करते हुए 56,108 के मार्जिन से भाजपा के उम्मदीवार को हराया था। उस चुनाव में इस सीट पर 68.48% मतदान हुआ था।

Seemapuri Assembly constituency

MLA 2020
Rajendra Gautam
Party - AAP
Vote - 88,392
Margin - 56,108
Turnout% - 68.48

MLA 2015
Rajendra Gautam - AAP
MLA 2013
Dharmender Singh - AAP
MLA 2008
Veer Singh - INC

संगम विहार विधानसभा:

दक्षिण पूर्वी दिल्ली का हिस्सा संगम विहार विधानसभा सीट में भी मुस्लिम मतदाता निर्णायक है। परिसीमन के बाद 2008 में वजूद में आयी इस सीट पर 2008 में भाजपा के डॉ शिव गुप्ता विधायक चुने गए थे। वहीं 2013 से 2020 तक लगातार तीन बार से AAP के दिनेश मोहनिया विधायक चुने जा रहे है।

2020 के चुनाव में दिनेश मोहनिया ने 75,345 वोट हासिल करते हुए जदयू प्रत्याशी को 42,522 के मार्जिन से चुनाव हराया था। वहीं इस सीट पर उस चुनाव में 62.2% मतदान हुआ था।

Sangam Vihar Assembly constituency

MLA 2020
Dinesh Mohaniya
Party - AAP
Vote - 75,345
Margin - 42,522
Turnout% - 62.20

MLA 2015
Dinesh Mohaniya - AAP
MLA 2013
Dinesh Mohaniya - AAP
MLA 2008
SCL Gupta - BJP

करावल नगर विधानसभा:

उत्तर पूर्वी दिल्ली का हिस्सा करावल नागर विधानसभा में भी मुस्लिम मतदाता निर्णायक है मगर उससे भी ज्यादा इस सीट पर पूर्वांचली वोट सबसे ज्यादा हावी रहता है। इस सीट पर भाजपा का एक तरफा तौर पर कब्ज़ा है। भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट इस सीट से 5 बार, राम पाल एक बार विधायक चुने गए है। अभी के कट्टर भाजपाई नेता कपिल मिश्रा 2015 में AAP के सिम्बल पर यहां से विधायक रह चुका है।

2020 के चुनाव में भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट ने आप के दुर्गेश पाठक को केवल 8,223 वोटों से मार्जिन से हराया था। उस चुनाव में इस सीट पर 67.55% मतदान हुआ था।

Karawal Nagar Assembly constituency

MLA 2020

Mohan Singh Bisht

Party - BJP

Vote - 96,721

Margin - 8,223

Turnout% - 67.55

MLA 2015

Kapil Mishra - AAP

MLA 2013

Mohan Bisht - BJP

MLA 2008

Mohan Bisht - BJP

निष्कर्ष:

दिल्ली की 11 विधानसभा सीटों पर सीधे तौर पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक है जो चुनावी जीत हार को तय करता है। ये मुस्लिम समाज के समर्थन का नतीजा ही था जब कांग्रेस 2013 में दिल्ली में केवल आठ सीटें जीती थीं तो उसमें से चार मुस्लिम विधायक शामिल थे। 2013 के विधानसभा चुनावों में मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में कांग्रेस को पांच और AAP को एक सीट मिली थी।

इसके बाद मुस्लिम समुदाय का वोट आम आदमी पार्टी के साथ चला गया था मगर दिल्ली दंगों के बाद से मुसलमानों का चुनावी रुझान दुबारा से बदला हुआ नजर आ रहा है। इसका नतीजा रहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस दिल्ली में भले ही एक सीट न जीत पाई हो लेकिन वोट फीसदी में वह AAP को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर रही है। वहीं MCD चुनाव में भी मुसलमानों ने AAP को छोड़ कांग्रेस को अपना समर्थन दिया था। मुस्लिम बहुल सीटों पर AIMIM फैक्टर को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

SPECT

— RESEARCH ASSOCIATION —

www.spectindia.com